मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 19 मई 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमीतत्व / दिनांक	19/05/15	20/05/15	21/05/15	22/05/15	23/05/15
वर्षा (मि.मी.)	1	1	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	44	45	46	45	44
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	31	32	31	30	29
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	4	5	2	1	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	58	62	52	48	44
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	20	18	14	12	10
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	16	18	14	16	20
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

रबी में जीरा लगाना चाहते हैं तो इस पर लगने वाले उखटा रोग के उपचार के लिये अभी से तैयारी करें। जिस खेत में जीरा लगाना है, उसमें 2.5 टन सरसों की फलकटी व 0.5 टन सरसों की खली प्रति हेक्टर का भुरकाव करके तवीये निकाल कर एक पानी तेज गर्मी के समय दें ताकि फलकटी व खल के सड़ने से जो गैस निकले उससे उखटा रोग की फंफूद अभी ही खत्म हो जाये। यह कार्य तेज गर्मी के समय पर करना जरूरी है।

सिंचित मूंगफली की बुवाई का उपयुक्त समय जून माह के प्रथम सप्ताह से दूसरा सप्ताह है। खेत को एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से तथा बाद में हैरो से 2–3 बार जुताई कर तैयार कर लें।

टमाटर व कुष्माण्ड कुल व अन्य बेल वाली फसलों में सहारा दें। खेत में बाँस के डंडों पर 60–60 से.मी. की ऊचाई पर रस्सियां बांध कर सहारा दें।

बैंगन व टमाटर की फसल में अधिक सिंचाई करने से फूल झड़ जाते हैं। फसल की मांग के आधार पर ही सिंचाई करें।

खुरपका–मुँहपका, गलघोंटू, फड़किया, ठप्पारोग, पी.पी.आर आदि रोग के टीके यदि नहीं लगवाए हैं तो लगवा लें।